फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 24 प्रभात जयपुर, रविवार 25 अगस्त, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

The Man We Love To Love

His original name was Sristhinath or Chisto or Ranbir Raj Kapoor or Raju. The last he borrowed for many of his films when he played the hero.

Vast Array of Star Nurseries

Only at infrared wavelengths can we look deep into these clouds, studying the stars in the making

इण्डिया टुडे का सर्वे: देश अमित शाह को मोदी के ''नैचुरल'' उत्तराधिकारी के रूप में देख रहा है

अमित शाह की उम्मीदवारी को 25 प्रतिशत लोगों की सहमति मिल रही है। योगी आदित्यनाथ की उम्मीदवारी दूसरे नम्बर पर है, 19 प्रतिशत जनता का समर्थन पाकर

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अगस्त। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नरेन्द्र मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में पहली पसंद हैं। इंडिया टुडे के मूड ऑफर नेशन सर्वे में यह खुलासा हुआ है। जितने लोगों ने सर्वे में भाग लिया उनमें से 25 प्रतिशत ने शाह को पसंद किया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 प्रतिशत के साथ दूसरे नम्बर पर और 13 प्रतिशत के साथ केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तीसरे स्थान पर हैं।

प्रधानमंत्री मोदी अगले वर्ष 75 वर्ष के हो जाएंगे और उनका तीसरा कार्यकाल शुरु हो गया है। ऐसी अटकलें है कि यह उनका अंतिम कार्यकाल होगा, इसके बाद उनका उत्तराधिकारी सत्ता संभालेगा। अमित शाह को उनका स्वाभाविक उत्तराधिकारी माना जाता है। यद्यपि, योगी आदित्यनाथ भी प्रबल दावेदार हैं। प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी के रूप में राजनाथ सिंह और शिवराज सिंह को 5-5 प्रतिशत वोट मिले हैं।

- हालांकि, अमित शाह की रेटिंग सबसे ज्यादा है, 25 प्रतिशत जनता का समर्थन पाकर। पर, वास्तव में कालान्तर में उनकी रेटिंग घटी है। अगस्त 2023 में उनकी रेटिंग 29 प्रतिशत थी, जो फरवरी 2024 में घट कर 28 प्रतिशत रह गयी और अब 25 प्रतिशत ही है।
- एक रोचक तथ्य यह भी है कि दक्षिण भारत में अमित शाह की रेटिंग सबसे ज्यादा, 31 प्रतिशत है, जबकि रेटिंग का राष्ट्रीय औसत 25 प्रतिशत ही है।
- योगी आदित्यनाथ की रेटिंग भी कम हो रही है। अगस्त 2023 में उनकी रेटिंग 25 प्रतिशत थी, जो फरवरी 2024 में घट कर 24 प्रतिशत हो गयी थी और अब 19 प्रतिशत ही है।
- रेटिंग की दृष्टि से गडकरी तीसरे नम्बर पर 13 प्रतिशत रेटिंग पाकर।
- राजनाथ सिंह व शिवराज सिंह चौहान की रेटिंग लगभग बराबर है, पाँच प्रतिशत पर, पर दोनों की रेटिंग का रुझान बढ़ने की ओर है।

सर्वे में सबसे आगे रहने के बाद भी शाह की रेटिंग कम हुई है। फरवरी 2024 में उन्हें 28 प्रतिशत और अगस्त 2023 में 29 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला था।

अगस्त 2024 के सर्वे में शाह को सबसे ज्यादा स्वीकृति दक्षिण भारत से मिली है। जहाँ उन्हें 31 प्रतिशत लोगों ने मोदी के विकल्प के रूप में पसंद किया है। जबकि देश भर में सिर्फ 25 प्रतिशत ने शाह को स्वीकृति दी हैं।

योगी आदित्यनाथ का समर्थन भी घटा है। अगस्त 2023 में उन्हें 25 प्रतिशत, फरवरी 2024 में 24 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया था पर इस बार उन्हें 19 प्रतिशत वोट ही मिला। नितिन गडकरी 13 प्रतिशत वोट के साथ थोड़े कम पसंदीदा विकल्प बने हुए हैं।

सर्वे से पता चला है कि राजनाथ सिंह और शिवराज सिंह की लोकप्रियता बढ़ी है। अगस्त 2023 के बाद सिंह की रेटिंग 1.02 प्रतिशत से बढ़कर 5 प्रतिशत हो गई है और चौहान के प्रति स्वीकृति 2.9 प्रतिशत से बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई है।

चिकित्सा विभाग के अफसरों को अवमानना नोटिस

जयपुर, 24 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद भी अभ्यर्थी के अनुभव प्रमाण पत्र को सत्यापित नहीं करने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और संयुक्त निदेशक सहित भीलवाड़ा सी.एम.एच.ओ. को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने सुभाष आमेटा की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी अभ्यर्थी के अनुभव प्रमाण पत्र को सत्यापित नहीं करने के लिए प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, संयुक्त निदेशक और भीलवाड़ा के सी.एम.एच.ओ. को अवमानना नोटिस भेजा है।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में आवेदन किया था। मेरिट में आने पर उसके दस्तावेजों का सत्यापन भी विभाग की ओर से कर लिया गया। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से पूर्व में प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए संविदा पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के फैडरल रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर घटाने की घोषणा की

इसका सीधा प्रभाव अमेरिका के ही नहीं, विश्व भर में शेयर मार्केट पर पड़ेगा तथा शेयर मार्केट में उछाल आयेगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अगस्त। अमेरिका में बैंकों के नियामक ''यू.एस. फैडरल रिज़र्व'' के चेयरमैन जेरोम पावेल ने व्योमिंग स्थित जैक्सन होल से एक संदेश देकर कहा है कि अमेरिका का केन्द्रीय बैंक फैडरल रिज़र्व अपनी ब्याज दरों में पूर्णतः परिवर्तन करने जा रहा है। वह अन्ततः कम ब्याज दरों की नीति का सूत्रपात करेगा। जैक्सन होल अमेरिका के वायोमिंग राज्य स्थित एक घाटी है, जहां पूरी दुनिया के केन्द्रीय बैंकों के प्रमुख, शिक्षाविद, प्रमुख आर्थिक चिंतक, नीति-निर्माता और पत्रकार एकत्रित होते हैं।

वित्तीय बाजारों ने इस बात को तुरन्त उठा लिया और हाल ही आई मंदी के बाद अमेरिका के शेयर बाजारों में एक बार फिर से उछाल आ गया है। कोई यह मानकर चल सकता है कि फैडरल रिज़र्व एक बार अपनी नीति में बदलाव शुरू कर दे तो वित्तीय बाजार एक बार फिर से समायोजित होना शुरू हो जाएंगे। अमेरिका का रिजर्व बैंक जब कोई नीति बनाता है तो दुनिया के अन्य केन्द्रीय बैंक उसके अनुसरण में लग जाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वित्तीय बाजार गतिशीलता के एक नए चरण में प्रवेश कर जाएंगे। भारतीय शेयर बाजार भी वैश्विक बाजारों की अनुरूपता में ऊपर उठेंगे क्योंकि जब एक व्यापक पैमाने पर ब्याज दरें घटती हैं, तब प्रायः ऐसा होता है। शेयर बाजारों में आने वाले दिनों में और तेजी आएगी। उसके साथ ही बॉण्ड्स मार्केट भी नए स्तर छुएगा। बाजार में होने जा रही आर्थिक वृद्धि का फायदा उठाने के लिए विदेशी निवेशक भी देश में धन लगा सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय रिज़र्व बैंक अपनी वृहत नीतियों को किस प्रकार से पुनर्व्यवस्थित करेगा? स्पष्ट रूप से, भारत में आर्थिक वृद्धि, समग्र कीमत स्थायित्व और भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन ही मार्गदर्शक कारक रहेंगे।

- ब्याज दर घटने से लोग बैंकों, फिक्स डिपॉज़िट, बॉण्ड आदि से पैसा निकालते हैं, अतः बाज़ार में पैसे की उपलब्धता बढ़ जाती है, जो अधिकतर शेयर मार्केट में ''इन्वैस्ट'' होता जाता है।
- भारत में भी इस पैसे की उपलब्धता बढ़ने से शेयर मार्केट में पूँजी निवेश बढ़ता है।
- साथ ही, भारत में रिज़र्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, महंगाई पर काफी कुछ नियंत्रण रहा हैं, अतः कीमतों में स्थिरता आने से सैन्सैक्स में भी उछाल आयेगा।
- विदेशी निवेशक भी इस स्थिति से आकर्षित होकर बाज़ार में उपलब्ध पैसे को निवेश करने के लिये भारत की और रूख करेंगे और इससे सैन्सैक्स के उछाल को और मजबूती मिलेगी।

मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की गत 6 से 8 अगस्त के दौरान हुई रिव्यू मीटिंग में मौद्रिक नीति के मापदण्डों को अपरिवर्तनीय रखने का निर्णय लिया गया था, किन्तु कमेटी के दो सदस्यों ने इस निर्णय का घोर विरोध किया था। रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) के लिए सिरदर्दी पैदा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज जोधपुर आएंगे

प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान हाई कोर्ट के 75वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे

जोधपुर, 24 अगस्त (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को जोधपुर आएंगे। प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान हाईकोर्ट के 75वें स्थापना दिवस कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में शरीक हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जोधपुर आगमन को देखते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू शुक्रवार को जोधपुर पहुंचे। उन्होंने पुलिस लाइन में संभाग के पुलिस अधिकारियों सहित जवानों की बैठक ली। साहू ने पुलिस अधिकारियों से प्रधानमंत्री के दौरे से संबंधित पल-पल की खबर ली। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस प्रशासन के साथ जिला प्रशासन अंतिम तैयारियों में जुटा हुआ है। शहर के नाकों पर संदिग्ध वाहनों की गहनता से जांच की जा रही है। वहीं चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू शुक्रवार को जोधपुर पहुंचे थे। वे रविवार तक जोधपुर में ही रहेंगे। वहीं पुलिस लाइन में संभाग स्तरीय अधिकारियों एवं जवानों के साथ बैठक में साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। साथ ही संभाग में क्राइम कंट्रोल को लेकर जरूरी निर्देश दिए। वे आज प्रधानमंत्री दौरे के रिहर्सल कार्यक्रम को लेकर भी अपडेट लेते देखे गए। इधर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को जोधपुर आगमन को लेकर कमिश्नरेट पुलिस ने चाक चौबंद व्यवस्थाएं की हैं। विभिन्न मार्गों पर बैरिकेड लगाकर संदिग्ध वाहनों की सघन चैकिंग की जा रही है। बाहर से आने वाले वाहनों को विशेष रूप से जांचा जा रहा है। जोधपुर प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान उच्च न्यायालय संग्रहालय का भी उद्घाटन करेंगे। जोधपुर आगमन से पूर्व प्रधानमंत्री महाराष्ट्र जाएंगे। यहां सुबह 11.15 पर वे जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन में भाग लेंगे, और 11 लाख नई लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र जारी करेंगे तथा सम्मानित करेंगे।

केन्द्र सरकार की लखपति दीदी योजना के तहत एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाया जा चुका है। सरकार का लक्ष्य 3 करोड़ गरीब महिलाओं को लखपति बनाने का है।

- प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों के संदर्भ में पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू जोधपुर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों की बैठक ली तथा सुरक्षा संबंधी दिशा निर्देश दिए।
- प्रधानमंत्री मोदी के आगमन के लिए प्रशासन ने भारी तैयारी की है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है, संदिग्ध वाहनों की गहन जाँच की जा रही है।

17 साल के किशोर को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 अगस्त। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने आठ साल के बालक से सामूहिक दुराचार करने के एक मामले में 17 साल छह माह के किशोर को बीस साल की सजा सुनाई है। अदालत ने कहा कि आठ साल के पीड़ित को लालच देकर एकांत में ले जाकर उसके साथ दुराचार की गंभीर घटना को अंजाम देना घृणित अपराध है। आरोपी के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- आठ साल के बच्चे से सामुहिक दुराचार के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने 17 साल 6 माह के किशोर को 20 साल की सजा सुनाई।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अरुण जाटावत ने अदालत को बताया कि किशोर सहित दो अन्य नाबालिगों ने आठ साल के बालक को पतंग का लालच देकर निर्माणाधीन कॉलेज में ले जाकर उसके साथ दुराचार किया और वीडियो भी बनाया। बाद में आरोपियों ने अश्लील

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कमला हैरिस की राष्ट्रपति बनने की संभावना दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है

विभिन्न एजेन्सियों ने अपने-अपने सर्वे में यह बात दोहरायी है कि हैरिस अपने प्रतिद्वंदी डॉनल्ड ट्रम्प से लगभग सभी राज्यों में रेटिंग की दृष्टि से राष्ट्रीय व स्थानीय क्षेत्रों में आगे बढ़ती जा रही हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए वर्ष 2024 में हो रहे चुनावों में कमला हैरिस के जीतने की संभावना अधिक है क्योंकि उनकी अप्रूवल रेटिंग्स में दिनों-दिन सुधार हो रहा है। पोल ट्रैकर्स ने उन्हें राज्य एवं देशव्यापी सर्वेज़ में आगे बताया है।

अमेरिका के लोकप्रिय पोल ट्रैकर ''फाइव थर्टी ऐट'' ने खुलासा किया है कि कमला हैरिस अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वि डॉनाल्ड ट्रम्प से काफी आगे रह सकती है।

कमला हैरिस ने डैमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को पार्टी के एक राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वीकार किया था। इस मौके पर अपने भाषण में जब उन्होंने अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को चुनौती देने का प्रण लिया, तब वह आत्मविश्वास से लबरेज नज़र आईं। उनका मानना था कि ऐसे ही नेताओं ने डॉनल्ड ट्रम्प के अधिनायकवादी झुकाव का फायदा उठाकर उनकी विदेश नीति में जोड़-तोड़ किए थे। हैरिस इस बात पर जोर देकर स्वयं को रिपब्लिकन पार्टी प्रत्याशी ट्रम्प से अलग बताना चाहती हैं कि उनकी प्रतिबद्धता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए है। वह ट्रम्प को एक खतरनाक पसन्द के रूप में चित्रित करती हैं।

उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनीं तो उनकी नीतियां ट्रम्प की नीतियों से बिल्कुल ही अलग होंगी, खासतौर पर विदेश नीति। उन्होंने जोर देकर कहा कि ''मैं निरंकुश शासकों और तानाशाहों से घनिष्टता नहीं रखूंगी।''

हैरिस के चुनाव अभियान की एक क्लाइमेट सरोगेट डॉ. श्वेता चक्रवर्ती स्पष्ट करती हैं कि हैरिस का नीतिगत दृष्टिकोण बाह्य एवं आंतरिक, दोनों आतंरिक चुनौतियों के वास्तविक आकलन पर आधारित है। चक्रवर्ती ने शिकागों में आयोजित डैमोक्रेटिक नैशनल कन्वैन्शन (डी.एन.सी.) में भाग लिया था। उन्होंने ध्यान दिलाया कि हैरिस के मैसेज की उन्हें अपना नेता मानकर चले रहे इण्डियन-अमेरिकन्स व अन्य अल्पसंख्यक समूहों में भारी गूंज है। डॉ. चक्रवर्ती ने भारतीय अमेरिकी दृष्टिकोण से ट्रम्प के बजाए हैरिस के प्रति अपना समर्थन बढ़ाने और उन्हें वोट देने के फायदे को प्रमुखता में बताया। उन्होंने हैरिस के चुनाव अभियान को गति प्रदान करने के लिए ''साउथ एशियन्स इन क्लाइमेट'' और आगामी ''हैरिस फोर प्रैसिडैन्ट क्लाइमेट ग्रुप'' के जरिए फण्ड रेज़िंग जैसी प्रयासों का उल्लेख किया। डॉ. चक्रवर्ती ने इस बात पर जोर दिया कि हैरिस को मिलने वाला संभावित राष्ट्रपति पद अमेरिका के भारतीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिससे पता चलता है कि दक्षिण एशियाई लोग देश के सर्वोच्च पद पर पहुंच सकते हैं और अपनी स्थिति में और सुधार कर सकते हैं। रिपब्लिकन पक्ष पर, डॉ. चक्रवर्ती ने कहा कि उषा वैन्स, ट्रम्प की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे.डी.वैन्स की पत्नी है, का सम्बन्ध आन्ध्र प्रदेश से है। उषा के

- डैमोक्रैटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिये अपनी उम्मीदवारी को स्वीकार करते समय बहुत प्रभावशाली भाषण दिया। जिसका व्यापक असर हुआ आम जनता पर, विशेषकर अल्पसंख्यकों पर।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हरियाणा में मतदान की तारीख आगे बढ़ाई जाए'

चंडीगढ़, 24 अगस्त। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर एक अक्टूबर को होने वाले मतदान की तारीख को आगे बढ़ाने की मांग की। चौटाला ने पत्र में लिखा कि

- इंडियन नैशनल लोकदल के प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने चुनाव आयोग को इस बारे में पत्र लिखा कि मतदान से पहले व मतदान के बाद दो-दो दिन की छुट्टियाँ हैं। ऐसे में कई लोग वीकैंड पर बाहर घूमने जाते हैं इसलिए मतदान की तारीख आगे बढ़ाई जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बुलडोज़र कभी भी ''नैचुरल जस्टिस'' का विकल्प नहीं बन सकता'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने भाजपा शासित राज्य सरकारों द्वारा न्याय के विकल्प के रूप में बुलडोज़र का इस्तेमाल करने पर कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अगस्त। इस बात को रेखांकित करते हुये कि अराजकता कभी भी प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह अल्पसंख्यकों पर निशाना साध रही है तथा नागरिकों में भय पैदा करने के लिये बुलडोज़रों का इस्तेमाल कर रही है।

न्यायशास्त्र के एक मूलभूत सिद्धान्त के सशक्त दावे के अन्तर्गत, मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अराजकता कभी भी प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि अपराधों का फैसला अदालत में होना चाहिए, सरकार-पोषित बल-प्रयोग के जरिये नहीं। खड़गे ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में लिखा, ''किसी के घर को ध्वस्त कर देना तथा उसके परिवार को बेघर कर देना अमानवीय तो है ही, अन्यायपूर्ण भी है। भाजपा-शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाना बहुत कष्टकारी है। ''कानून के शासन' द्वारा संचालित समाज में इस प्रकार की कार्यवाहियों के लिये कोई जगह नहीं है।''

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी भाजपा की राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों के मन में भय पैदा करने के लिए बुलडोजरों का इस्तेमाल करने तथा इस प्रकार संविधान की खुली अवहेलना किए जाने के लिए इन सरकारों की कड़ी भर्त्सना करती है। अराजकता कभी भी प्राकृतिक न्याय का स्थान नहीं ले सकती-अपराधों का फैसला अदालतों में होना चाहिए, सरकार पोषित बल प्रयोग के जरिये नहीं।'' खड़गे की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस नेता हाजी शहजाद अली के बँगले को ध्वस्त कर दिये जाने के बाद आई है। ज्ञातव्य है कि हाजी इस सप्ताह के शुरू में भोपाल पुलिस अधिकारियों पर की गई पत्थरबाजी की घटना के मुख्य आरोपी हैं।

बँगले को ध्वस्त किया जाना 21 अगस्त की हिंसक घटना में लिप्त लोगों को प्रशासन द्वारा दिये गये जवाब का हिस्सा था। उल्लेखनीय है कि 21 अगस्त को भोपाल के कोतवाली थाने के अन्दर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर भीड़ ने कथित रूप से पत्थर फैंके थे।

हिंसा से पहले, भीड़ ने कथित रूप से कोतवाली थाने को घेर लिया था तथा सन्त रामगिरि महाराज के खिलाफ कार्यवाही की माँग कर रही थी। महाराज ने कथित रूप से महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नार तालुका - स्थित शाह पंचाले गाँव में एउक धार्मिक समारोह के दौरान पैगम्बर मोहम्मद तथा इस्लाम के बारे में कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर दी थीं। इससे पहले, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ने उदयपुर में एक विद्यार्थी द्वारा छुरी मार कर दूसरे विद्यार्थी की हत्या कर देने के मामले में आरोपी विद्यार्थी के घर को गिरा देने के आदेश दे दिये थे।

छुरेबाजी की यह घटना 16 अगस्त को उस समय हुई, जब दो नाबालिग विद्यार्थियों के बीच बहस बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। पुलिस का कहना है कि इन दोनों लड़कों में अनबन कुछ समय से ही चल रही थी, जब आरोपी ने कुछ दिन पहले मृत लड़के से गृहकार्य की कॉपी मांगी थी पर उसने कॉपी किसी और को दे दी थी। इस बात को लेकर दोनों की बहस में गर्मागर्मी हो गई तथा आरोपी ने पीड़ित पर चाकू से हमला कर दिया जिससे उसके पेट में गहरे ज़ख्म हो गये।

- खड़गे ने कहा कि किसी का घर गिरा देना अमानवीय एवं अन्याय पूर्ण है। न्याय अदालत में होना चाहिए।
- खड़गे ने एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार की युवा विरोधी नीतियों के कारण बेरोज़गार युवाओं की फौज खड़ी हो गई है, मुट्ठीभर पदों के लिए लाखों युवा आवेदन करते हैं।
- खड़गे ने बिहार का उदाहरण दिया, जहाँ कांस्टेबल के 21,000 पदों के लिए 18 लाख प्रत्याशी हैं।
- खड़गे ने कहा कि मौजूदा सरकार के शासनकाल का सबसे बड़ा अभिशाप बन गई है बेरोजगारी और सरकार गलत पद्धति से तैयार रिपोर्ट का हवाला देकर लाखों रोज़गार देने का झूठा दावा कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोपोर में आतंकियों से मुठभेड़

श्रीनगर, 24 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के सोपोर उप जिले में शनिवार को एक मुठभेड़ के दौरान एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया और एक जवान घायल हो गया।

पुलिस ने यह जानकारी देते हुए कहा कि राफियाबाद में वाटरगाम पॉइंट पर सतर्क सुरक्षा बलों को आसपास संदिग्ध हलचल महसूस हुई। सुरक्षा बलों द्वारा चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरु कर की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इलाके को तुरंत घेर लिया गया और तलाशी शुरू की गई। बाद में तलाशी के दौरान हथियार गोला बारूद के साथ आतंकवादी का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान की जा रही है। आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में

- मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया तथा एक जवान घायल हो गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)